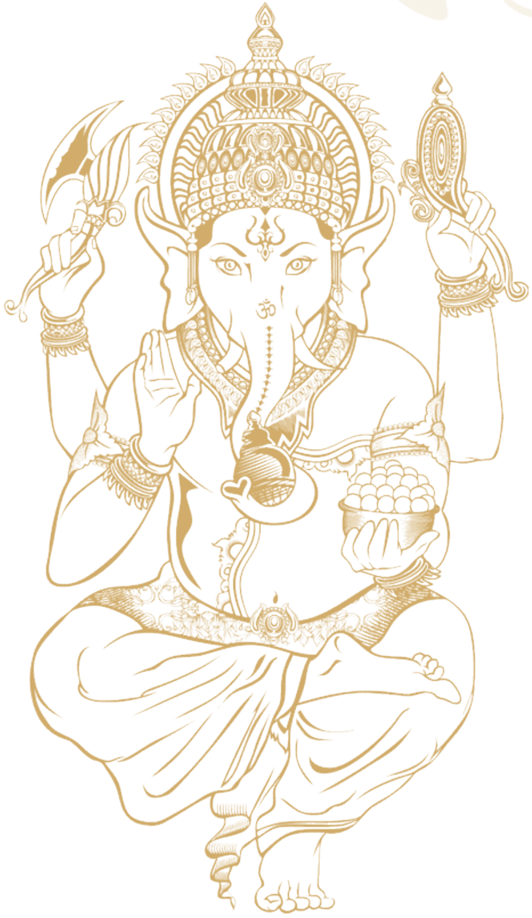

vimal kumar

04 Dec 1984

03:45 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb **Order No: 121709202**

लिंग : पुल्लिंग
जन्म तिथि : 04/12/1984
दिन : मंगलवार
जन्म समय : 15:45:00 घंटे
इष्ट : 21:57:58 घटी
स्थान : Meerut
राज्य : Uttar Pradesh
देश : India

अक्षांश	29:00:00 उत्तर
रेखांश	77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:25:48 घंटे
वेलान्तर	00:09:44 घंटे
साम्पातिक काल	20:19:27 घंटे
सूर्योदय	06:57:48 घंटे
सूर्यास्त	17:21:07 घंटे
दिनमान	10:23:19 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	18:48:41 वृश्चिक
लग्न के अंश	23:23:45 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अश्विनी - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वरियान
करण	बव
गण	देव
योनि	अश्व
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	सिंह
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	चू-चूड़ामणि
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	23:23:45	435:12:07	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			वृश्चिक	18:48:41	01:00:52	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	केतु	मित्र राशि
चंद्र			मेष	03:19:21	11:56:41	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	सम राशि
मंगल			मक	20:27:14	00:45:36	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	उच्च राशि
बुध			धनु	07:08:55	00:04:49	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
गुरु			धनु	21:37:44	00:12:49	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मक	00:47:23	01:11:03	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शनि			तुला	28:09:38	00:06:53	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	उच्च राशि
राहु			वृष	03:47:26	00:01:22	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	मित्र राशि
केतु			वृश्चिक	03:47:26	00:01:22	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष			वृश्चिक	20:04:15	00:03:41	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
नेप			धनु	06:48:33	00:02:11	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	---
प्लूटो			तुला	09:57:19	00:02:00	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	गुरु	---
दशम भाव			मक	08:56:20	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:38:32

लग्न-चलित

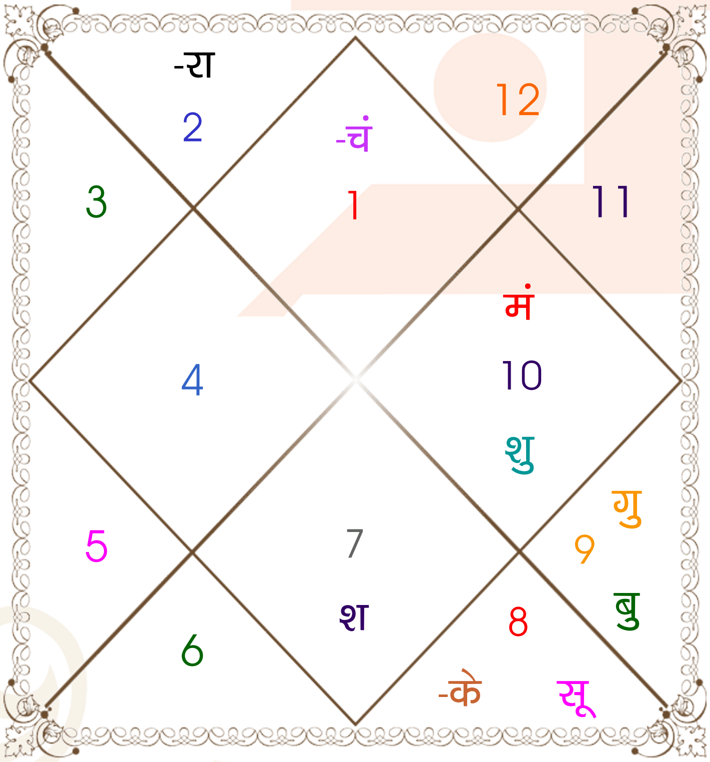

चन्द्र कुंडली

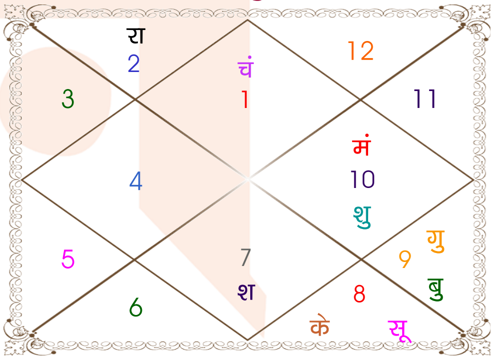

नवमांश कुंडली

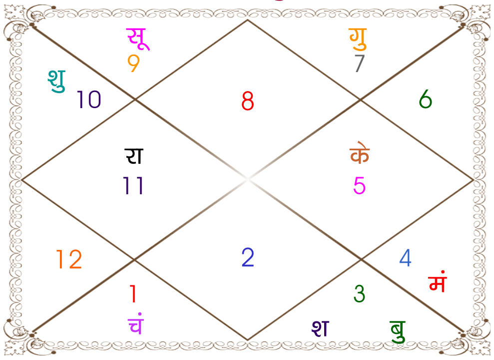

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 3 मास 2 दिन

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
04/12/1984	**08/03/1990**	**08/03/2010**	**07/03/2016**	**08/03/2026**
08/03/1990	**08/03/2010**	**07/03/2016**	**08/03/2026**	**08/03/2033**
00/00/0000	शुक्र 07/07/1993	सूर्य 25/06/2010	चंद्र 06/01/2017	मंगल 04/08/2026
04/12/1984	सूर्य 08/07/1994	चंद्र 25/12/2010	मंगल 07/08/2017	राहु 22/08/2027
सूर्य 08/02/1985	चंद्र 07/03/1996	मंगल 02/05/2011	राहु 06/02/2019	गुरु 28/07/2028
चंद्र 09/09/1985	मंगल 07/05/1997	राहु 26/03/2012	गुरु 07/06/2020	शनि 06/09/2029
मंगल 05/02/1986	राहु 07/05/2000	गुरु 12/01/2013	शनि 06/01/2022	बुध 03/09/2030
राहु 24/02/1987	गुरु 06/01/2003	शनि 25/12/2013	बुध 07/06/2023	केतु 31/01/2031
गुरु 31/01/1988	शनि 08/03/2006	बुध 31/10/2014	केतु 06/01/2024	शुक्र 01/04/2032
शनि 11/03/1989	बुध 06/01/2009	केतु 08/03/2015	शुक्र 06/09/2025	सूर्य 06/08/2032
बुध 08/03/1990	केतु 08/03/2010	शुक्र 07/03/2016	सूर्य 08/03/2026	चंद्र 08/03/2033

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
08/03/2033	**08/03/2051**	**08/03/2067**	**08/03/2086**	**09/03/2103**
08/03/2051	**08/03/2067**	**08/03/2086**	**09/03/2103**	**00/00/0000**
राहु 19/11/2035	गुरु 25/04/2053	शनि 11/03/2070	बुध 03/08/2088	केतु 05/08/2103
गुरु 13/04/2038	शनि 07/11/2055	बुध 18/11/2072	केतु 01/08/2089	शुक्र 04/10/2104
शनि 17/02/2041	बुध 11/02/2058	केतु 28/12/2073	शुक्र 01/06/2092	सूर्य 05/12/2104
बुध 07/09/2043	केतु 18/01/2059	शुक्र 26/02/2077	सूर्य 07/04/2093	00/00/0000
केतु 24/09/2044	शुक्र 18/09/2061	सूर्य 08/02/2078	चंद्र 06/09/2094	00/00/0000
शुक्र 25/09/2047	सूर्य 08/07/2062	चंद्र 10/09/2079	मंगल 04/09/2095	00/00/0000
सूर्य 19/08/2048	चंद्र 07/11/2063	मंगल 19/10/2080	राहु 23/03/2098	00/00/0000
चंद्र 18/02/2050	मंगल 12/10/2064	राहु 25/08/2083	गुरु 29/06/2100	00/00/0000
मंगल 08/03/2051	राहु 08/03/2067	गुरु 08/03/2086	शनि 09/03/2103	00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 2 मा 29 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुर्निर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिष गणना के अनुसार आपका जन्म उस समय हुआ जबकि मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। आपका जन्म भरणी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में वृश्चिक राशि के नवमांश तथा धनु राशि के द्रेष्काण में हुआ था। गणना के संकेतों से आपके जीवन का वास्तविक चित्र स्पष्ट हो रहा है कि यदि आप अपने जीवन के कार्यकलापों का निष्पादन अपनी योजना के पक्ष में पूर्ण आश्वस्त होकर समयानुकूल कर सके तो आप निश्चित रूप से अपने उद्देश्य को सफल कर सकेंगे।

सामान्यतः स्पष्ट रूप से यह अभिप्राय प्रकट हो रहा है कि आप दीर्घजीवी होकर सुख पूर्वक स्वस्थ जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आप निरोग एवं पश्चाताप रहित जीवन बिताएंगे। बृश्चिक नवमांश के प्रभाव आपके लिए सुरक्षा कवच के समान है। यह संभव है कि आप अपने जीवन की न्यूनता को त्याग देंगे। यदि ऐसा न हो सका तो आप दैन्यता और शारीरिक रोग के शिकार हो जाएंगे। यह आवश्यक नही है कि आपको संकट के आने की कोई पूर्व सूचना विदित हो सके। आप में अपार शक्ति साहस और सामर्थ्य से युक्त प्राणी हैं। आप अपने जीवन में लाभ प्राप्त करने तथा अपनी अभिलाषा की पूर्ति हेतु सुयोग्य एवं सक्षम प्राणी होंगे।

आप अपने रास्ते में आने वाली बाधाएं और बुराईयों को बाहर हटाने में समर्थ हों। आप स्वयं अपनी बुद्धि से अपनी महत्वकांक्षा की पूर्ति के लिए बिना किसी सहयोग के पूरी तन्मयता के साथ समर्पित भाव से एवं विश्वास पूर्वक संपादन कर सकेंगे। भगवान आपको अवश्य ही निर्भयता प्रदान करेंगे। आप अपने सभी कार्यों को संपादन हेतु लंबी दूरी तय करने में भी किसी की सहायता अथवा साथ लेने की परवाह नहीं करेंगे।

वास्तव में आपके जीवन के 25 वें वर्ष से आपका स्वर्णिम काल प्रारंभ होगा। आप बहुत बड़े धन शक्ति और संपन्नता से युक्त हों जाएंगे। आप बहुत उन्नति प्राप्त करके धन, भूमि, भवन, वाहन एवं सेवकों से युक्त हो जाएंगे। आपके आदेश को आपके सेवक अनुमोदन एवं अनुपालन करेंगे। आपके सुख पूर्वक जीवन व्यतीत करने में आपके अधीनस्थ सेवा करने वाले सेवक तथा अनुचर आपके आदेशानुसार आचरण करेंगे।

आप स्वभावतः बहुत बड़े कामुक प्राणी है। यदि आप क्षणिक आनंद के लिए संयोगात्म प्रवृत्ति से किसी भी विपरीति योनि के साथ क्षणिक सुख भोग हेतु जोखिम उठाएंगे तो वह किसी भयंकर रोग का सूचक होगा। उत्तम तो यह होगा कि आप प्रतिबंधित क्षेत्र अर्थात् अपने घर में किसी पसंदीदा या अधिकृत विपरीत योनि के साथ ही शारीरिक सुख-भोग का आनंद प्राप्त करें।

यदि आप अपनी उच्चाकांक्षा को प्राप्त करना चाहते है, तो स्वप्निल विचारों का त्याग करें एवं कठिन परिश्रम करने के प्रति सतर्क रहे तो वास्तव में आप अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु निश्चित रूप से समर्थ हों जाएंगे।

आपके समक्ष जो कुछ भी व्यवधान आ जाए तो आप में यह सामर्थ्य है कि आप अपनी जान्मजात नेतृत्व की क्षमता द्वारा अपने साहस और महत्वाकांक्षित भावना से स्पष्ट कर लेंगे।

यदा-कदा आप क्रोधित होकर अधिक जिद्द पकड़ लेते हैं तथा अपने मित्रों से असंतुष्ट होकर उनके साथ क्षमतापूर्वक व्यवहार नहीं कर पाते हैं।

आप अपने मित्रों की लंबी सूची के अनुरुप उनसे मिलने-जुलने के कार्यक्रम त्याग करने योग्य है। फिर भी आपके कुछ ऐसे मित्र हैं जो पूरे मन से आपको उन्नति के मार्ग में सहयोग प्रदान करते हैं। आप को बार-बार मित्रता के लिए होने वाली यात्राओं का कुछ समय के लिए प्रतिबंधित करना चाहिए। अर्थात् यात्रा बंद कर दें। यात्रा क्रम में आप देश के विस्तृत और विभिन्न स्थान के व्यक्तियों के साथ मित्रता संबंध स्थापित करेंगे।

आप भली प्रकार अपना पारिवारिक जीवन व्यतीत करेंगे। आपकी साहसिक प्रवृत्ति एवं अतिरिक्त क्रिया-कलाप से कई अन्य द्वेष भी रखेंगे। आप अपनी माता के प्रति पूर्ण आस्थावान रहेंगे तथा आपका दाम्पत्य जीवन अच्छी प्रकार संचालित रहेगा। आप स्थिर चित्त से अपने परिवार के हित में समय लगाएंगे। आपके पारिवारिक सदस्य आपके उत्तेजनात्मक जीवन से दुखी रहेंगे।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाभप्रद एवं प्रमाणित अंक 9 एवं 1 अंक है।

आप अपने जीवन के लिए रंग लाल, पीला और स्वर्णिम रंग को पसंद करेंगे। आपको हर दशा में काले रंग का त्याग करना चाहिए।